P-1105

Total Pages : 3 Roll No. .....

DPJ-104

मुहूर्त विचार

Diploma in Phalit Jyotish (DPJ)

1st Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. विवाह आदि संस्कारों में मुहूर्त क्यों आवश्यक है मुहूर्त की उपयोगिता सिद्ध करते हुए वास्तविक तथ्यों का उल्लेख करें।

2. गर्भाधान, सीमंतोनयन संस्कारों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

3. संस्कार का परिचय स्पष्ट करते हुए वर्तमान जीवन में उसकी आवश्यकता पर बल देते हुए सविस्तार वर्णन करें।

4. भौतिक जीवन में संस्कारों की क्या उपयोगिता है जीवन में संस्कारों के योगदान पर विस्तारपूर्वक विवेचन करें।

5. वधुप्रवेश मुहूर्त पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. संस्कार शब्द की उत्पत्ति एवं संस्कार की आवश्यकता क्यों है, प्रकाश डालिए।

2. विवाह में गुरु, शुक्र शुद्धि के विचार पर प्रकाश डालिए।

3. पुंसवन संस्कार का मानव जीवन में क्या महत्त्व है स्पष्ट करें।

4. दुकान खोलन एवं क्रय मुहूर्त के विषय में उल्लेख करें।

5. मूति प्रतिष्ठा मुहूर्त का उल्लेख करें।

6. जलाशय मुहूर्त के विषय में सविस्तार विचार करें।

7. द्वार स्थापन मुहूर्त की आवश्यकता पर बल डालिए।

8. कर्णवेध मुहूर्त क्यों आवश्यक है स्पष्ट कीजिए।